

वेदपौरोहित्यकर्मकाण्डम्

पत्र संख्या - DSCC - 20

पाठ्यक्रम विवरणम्

महीधराचार्य भाष्यसंवलिता: अग्न्याधान-अग्निहोत्रमन्त्राः
(शुक्लयजुर्वेदस्य माध्यन्दिनसंहितायां तृतीयोऽध्यायः)

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- अग्न्याधानपरिचयः
- चातुर्मास्यपरिचयः
- मन्त्राणामृषिच्छन्दोदैवतज्ञानम्
- अग्निहोत्रपरिचयः
- मन्त्राणां प्रकरणानुसारं विनियोगज्ञानम्

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- तृतीयाध्याये 1 – 19 कण्डिकाः
घृताक्तसमिदाधानात् आहवनीयस्योपविश्यजपपर्यन्तो भागः

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- 20 - 43 कण्डिकाः - गोऽभ्ययनात् उपस्थानमन्त्रसमाप्तिपर्यन्तो भागः

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- 44 - 63 कण्डिकाः – चातुर्मास्यप्रकरणात् मुण्डनार्थं क्षुरादानपर्यन्तो भागः

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - शुक्लयजुर्वेदमाध्यन्दिनसंहिता श्रीमहीधरभाष्यसंवलिता

वेदपौरोहित्यकर्मकाण्डम्

पत्र संख्या - DSCC - 21

पाठ्यक्रम विवरणम्

सायणभाष्यसहिते शतपथब्राह्मणे प्रथमकाण्डे सम्पूर्ण 3-4 अध्यायौ कुल 4
(शुक्लयजुर्वेदस्य माध्यन्दिनशतपथम्)

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- स्रुगादिद्रव्यसम्मार्जनात् परिध्युपादानभूताः पलाशादिवृक्षा इति कथनपर्यन्तम्
(तृतीयाध्याये 1 – 3 ब्राह्मणपर्यन्तम्)

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- परिधीनामार्द्रत्वप्रतिपादनात् सामिधेन्यनुवचनादिधर्मविशेषकथनम्
(तृतीयाध्याये 4 – 5 ब्राह्मणपर्यन्तम्)

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- सामिधेन्यनुवचने उपांशुहिङ्कृतिविधानात् तिष्ठता याज्यापाठः कर्तव्य इति विधानपर्यन्तम्
(चतुर्थाध्याये 1-2 ब्राह्मणपर्यन्तम्)

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- सामिधेन्यग्निः लौकिकाग्नेः दाहातिशयी इतिकथनात् अग्निसम्मार्जनपर्यन्तम्
(चतुर्थाध्याये 3-4 ब्राह्मणपर्यन्तम्)

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - सायणभाष्यसहितं माध्यन्दिनशतपथब्राह्मणम्

वेदपौरोहित्यकर्मकाण्डम्

पत्र संख्या - DSCC - 22

पाठ्यक्रम विवरणम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

कात्यायनश्रौतसूत्रस्य सम्पूर्णः द्वितीयोऽध्यायः

- इष्टिपूर्वमनुष्ठीयमानव्रतोपदेशात् अङ्गारेणकपालाच्छादनपर्यन्तम्

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- पिष्टसंवपनार्थमपामधिश्रयणात् अध्वर्योरात्मालम्भप्रकरणपर्यन्तम्

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

सायणाचार्यविरचिता ऋग्वेदभाष्यभूमिका

(मन्त्रब्राह्मणात्मकत्वं वेदस्य इति प्रकरणात् ग्रन्थसमाप्तिं यावत्)

- मन्त्रब्राह्मणात्मकत्वभागात् वेदस्यानुबन्धचतुष्टयकथनपर्यन्तम्

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- वेदस्य विषयप्रतिपादप्रकरणात् वेदविद्याग्रहणे अधिकारिविशेषनिरूपणपर्यन्तम्

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - पारस्करगृह्यसूत्रम् (डॉ. जगदीशचन्द्र मिश्रः)

वेदपौरोहित्यकर्मकाण्डम्

पत्र संख्या - DSCC - 23

पाठ्यक्रम विवरणम्

भाग - 1	क्रेडिट - 1	यूनिट - 1	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

श्रीचिन्नस्वामिशास्त्रिविरचितः यज्ञतत्त्वप्रकाशः (द्वितीयतृतीयभागौ)

- सम्पूर्णसोमयागनिरूपणम्
- षोडशिसंस्थानिरूपणम्
- अत्यग्निष्टोमसंस्थानिरूपणम्
- सम्पूर्णाग्निचयनप्रकरणम्
- उक्थ्यसंस्थानिरूपणम्
- अतिरात्रसंस्थानिरूपणम्
- वाजपेय-अप्तोर्यामसंस्थानिरूपणं
- स्तोमादिसंख्याविवरणं च

भाग - 2	क्रेडिट - 1	यूनिट - 2	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- देवसुवां हवींषि
- राजसूयः
- सवननिरूपणम्
- सौमिकव्यापाराः
- अश्वमेधस्य श्रेष्ठता
- द्वादशाह-गवामयन-षडह-महाब्रतानां निरूपणम्
- सौत्रामणिः, राजसूयः अश्वमेधश्च
- पुरुषमेधः सर्वमेधः च

भाग - 3	क्रेडिट - 1	यूनिट - 3	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

लौगाक्षिभास्करप्रणीतः अर्थसङ्ग्रहः

- क्रमस्वरूपनिरूपणम्
- अधिकारविधिनिरूपणम्
- श्रुत्यादिषट् प्रमाणानां निरूपणम्
- मन्त्रविचारः

भाग - 4	क्रेडिट - 1	यूनिट - 4	होरा - 16-20
---------	-------------	-----------	--------------

- नियमविधिविचारः
- नामधेयप्रामाण्यनिरूपणम्
- परिसंख्याविधिविचाराः
- मत्वर्थलक्षणादिनिरूपणात् अर्थवादविचारपर्यन्तम्

पाठ्य/सन्दर्भग्रन्थाः - श्रीचिन्नस्वामिशास्त्रिविरचितः

यज्ञतत्त्वप्रकाशः लौगाक्षिभास्करप्रणीतः अर्थसङ्ग्रहः